Literacy for a Billion

Movie: Aayee Milan Ki Bela
Year: 1964

Song: Tum Kamsin Ho
Lyricist: Hasrat Jaipuri

तुम कमसिन हो
नादाँ हो
नाज़ुक हो
भोली हो

तुम कमसिन हो
नादाँ हो
नाज़ुक हो
भोली हो

सोचता हूँ मैं
के तुम्हें
प्यार ना करूँ
मैं तुम्हें
प्यार ना करूँ

तुम कमसिन हो
नादाँ हो
नाज़ुक हो
भोली हो
सोचता हूँ मैं
के तुम्हें
प्यार ना करूँ
मैं तुम्हें
प्यार ना करूँ

मदहोश अदा
ये अल्हड़पन
बचपन तो अभी
रूठा ही नहीं
एहसास है क्या
और क्या है तड़प
इस सोच में दिल
डूबा ही नहीं

एहसास है क्या
और क्या है तड़प
इस सोच में दिल
डूबा ही नहीं

तुम कमसिन हो
नादाँ हो
नाज़ुक हो
भोली हो
सोचता हूँ मैं
के तुम्हें
प्यार ना करूँ
मैं तुम्हें
प्यार ना करूँ

तुम आहें भरो
और शिकवे करो
ये बात हमें
मंज़ूर नहीं

तुम तारे गिनो
और नींद उड़े
वो रात हमें

मंजूर नहीं

तुम तारे गिनो
और नींद उड़े
वो रात हमें
मंजूर नहीं

तुम कमसिन हो
नादाँ हो
नाजुक हो
भोली हो
सोचता हूँ मैं
के तुम्हें
प्यार ना करूँ
मैं तुम्हें
प्यार ना करूँ

तुम कमसिन हो
नादाँ हो
नाजुक हो
भोली हो
सोचता हूँ मैं
के तुम्हें
प्यार ना करूँ
मैं तुम्हें
प्यार ना करूँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.